

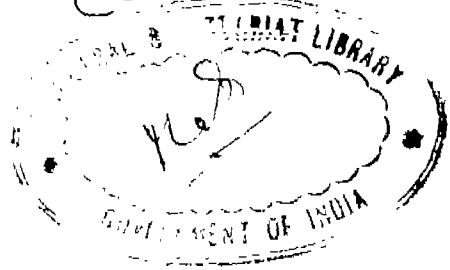


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 239]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 25, 1999/कार्तिक 3, 1921

No. 239]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 25, 1999/KARTIKA 3, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1999

**विषय :** जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान से शुद्ध टेरिफथेलिक एसिड (पीटीए) के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जाँच—आरंभिक निष्कर्ष।

आरंभिक निष्कर्ष

**सं. 27/1/98-डीजीएडी.**—सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम (1995 में यथासंशोधित), 1975 और सीमा-शुल्क टेरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन एवं समाहरण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे यहां इसके बाद नियमावली कहा गया है) का ध्यान करते हुए :—

क पद्धति

1. जाँच के लिए नीचे दी गई पद्धति का पालन किया गया है :—

- (i) नाम-निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है), उपरोक्त नियमावली के अंतर्गत, मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. से जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान मूल के या वहाँ से निर्यातित शुद्ध टेरिफथेलिक (पीटीए) (जिसे इसमें इसके बाद विषयगत माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए एक लिखित याचिका प्राप्त की है।
- (ii) वादी द्वारा किए गए आवेदन की आरंभिक जाँच से कुछ कमियों का पता लगा जिन्हें वादी द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था। अतः याचिका को उचित विलेखित माना गया था।
- (iii) वादी द्वारा दिए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान से पीटीए के आयातों की जाँच करने का निश्चय किया। प्राधिकारी ने जाँच आरंभ करने से पहले नियमावली के उप नियम 5 (5) के अंतर्गत, पाटन के आरोप के प्राप्त होने की सूचना जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान के दूतावासों को दी;

- (iv) प्राधिकारी ने सीमा-शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 के सीमा-शुल्क उप-शीर्ष सं. 2917.36 के अंतर्गत वर्गीकृत, जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान ( जिन्हें इसमें इसके बाद विषयगत देश कहा गया है ) मूल के या वहां से निर्यातित पीटीए के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच आरंभ करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना, तारीख 22 अप्रैल, 1999 को प्रकाशित कर जारी की;
- (v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति विषयगत वस्तुओं के सभी निर्यातकों ( जिनका विवरण वादी द्वारा उपलब्ध कराया गया था ) एवं उद्योग संघों को भेजी और उन्हें नियम 6 (2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया;
- (vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में पीटीए के सभी ज्ञात आयातकों ( जिनका विवरण वादी द्वारा उपलब्ध कराया गया था ) को भेजी और उन्हें पत्र जारी करने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए कहा;
- (vii) के. उ. शु. एवं सीमा-शुल्क बोर्ड ( सीबीईसी ) से भारत में जांच की अधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान, भारत में किये गये पीटीए के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था;
- (viii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6 (3) के अनुसार, विषयगत देशों के ज्ञात निर्यातकों एवं दूतावासों को याचिका की प्रति भेजी। याचिका की प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को, जहां भी अनुरोध किया गया, भेजी गई;
- (ix) प्राधिकारी ने नियम 6 (4) के अनुसार, संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात-निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी;

(क) जापान

- मित्सुबिशी कैमिकल कार्पोरेशन
- मित्सुई कैमिकल्स इन.

(ख) मलेशिया

- अमोको कैमिकल एशिया पैसिफिक लिमिटेड

(ग) स्पेन

- इन्टरक्वीसा

(घ) ताइवान

- टन्टैक्स पेट्रोकेमिकल इन.

अनेक पार्टियों ने उत्तर देने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया जो प्राधिकारी द्वारा मान लिया गया। बढ़ाए गए समय के बाद प्राप्त उत्तरों पर आरंभिक निष्कर्षों के निर्धारण हेतु विचार नहीं किया गया।

निम्नलिखित निर्यातकों ने उत्तर दिए—

(क) जापान

- मित्सुबिशी कैमिकल कार्पोरेशन
- मित्सुई कैमिकल्स इन.

(ख) मलेशिया

- अमोको कैमिकल एशिया पैसिफिक लिमिटेड

(ग) स्पेन

- इन्टरक्वीसा

(घ) ताइवान

- टन्टैक्स पेट्रोकेमिकल इन.

- (x) नई दिल्ली स्थित विषयगत देशों के दूतावास को, नियम 6(2) के अनुसार जाँच आरंभ की सूचना दी गई थी और उसने अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए कहने का अनुरोध किया गया था। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची सहित निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति भी विषयगत देशों के दूतावास को भेजी गई थी।

(xi) नियम 6 (4) के अनुसार, पीटीए के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को आवश्यक सूचना देने हेतु प्रश्नावली भेजी गई थी;

- मैसर्स इंडो रामा सिंथेटिक्स लि.
- मैसर्स पर्ल इंजीनियरिंग पालीमर्स लि.
- मैसर्स गरवारे पोलिएस्टर्स लि.
- मैसर्स उड़ीसा सिंथेटिक्स लि.
- मैसर्स परसराम पुरिया सिंथेटिक्स
- मैसर्स जे सी टी लि.
- मैसर्स इण्डियन ऑर्गेनिक कैमिकल्स लि.
- मैसर्स इण्डिया पोली फाइबर्स लि.
- मैसर्स फ्यूचरा पालीमर्स
- मैसर्स डी सी एल लि.
- मैसर्स जे के सिंथेटिक्स लि.
- मैसर्स रेमण्ड सिंथेटिक्स लि.

निम्नलिखित आयातकों द्वारा प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए थे :—

- मैसर्स इंडो रामा सिंथेटिक्स लि.
- मैसर्स पर्ल इंजीनियरिंग पालीमर्स लि.
- मैसर्स डी सी एल लि.
- मैसर्स रेमण्ड सिंथेटिक्स लि.
- सेन्चुरी एंका लि.

(xii) वादी से क्षति संबंधी अतिरिक्त सूचना मांगी गई, जो उन्होंने दे भी दी थी;

(xiii) प्राधिकारी ने वादी के परिसर में आवश्यक समझी गई सीमा तक मौके पर जाकर जाँच की;

(xiv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ्यांश प्राधिकारी द्वारा रखी हुई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराए और इन्हें हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा;

(xv) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों (जएएपी) और वादी द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में विषयगत माल के उत्पादन की इष्टतम उत्पादन लागत और उसके बनाने और बेचने की लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जाँच भी की गई।

(xvi) \*\*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत वैसे ही मानी गई सूचना का द्योतक है।

(xvii) जाँच 1 अप्रैल, 1998 से 31 दिसम्बर, 1998 तक की अवधि के लिए की गई थी।

## ख. वादियों के विचार

2. वादी ने अपनी याचिका और बाद की प्रस्तुतियों में निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे उठाए हैं—

(क) विषयगत देशों के उत्पादक पीटीए का भारत में सतत रूप से पाटन करते रहे हैं और जिस कीमत पर उन्होंने भारत में पीटीए को पाटित किया है वह उसके सामान्य मूल्य से कम रही है। लागत-बीमा-भाड़ा कीमतें भी माह-दर-माह कम होती गई हैं।

(ख) जाँच की अवधि हेतु भारतीय माँग/आपूर्ति की स्थिति दर्शाती है कि भारत में पर्याप्त पीटीए क्षमता है और पीटीए के आयात की आवश्यकता नहीं है।

(ग) बहुत से आयातक अग्रिम लाइसेंस पर पीटीए का आयात करते हैं और तर्क देते हैं कि ऐसे आयात पर पाटन रोधी शुल्क नहीं लगाना चाहिए। वादी ने पोलिस्टर निर्यातकों की माँगों को पूरा करने हेतु पीटीए क्षमताएँ स्थापित की हैं और इस प्रकार अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत भी पीटीए का कोई आयात, स्वदेशी उत्पादकों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। अनुरोध है कि यदि आयात पाटन की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं, तो चाहे शुल्क अदा किया गया हो या नहीं, उन पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए।

- (घ) विषयगत देशों में स्वदेशी फैक्टरीगत प्राप्तियों पर प्रामाणिक सूचना प्राप्त करने की स्थिति में वादी नहीं है। इसलिए, सामान्य मूल्य, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात परामर्शदात्री फर्मों जैसे डेवित एंड कम्पनी और सी एम ए आई द्वारा उपलब्ध कराए गए लागत आँकड़ों के आधार पर आकलित किया गया है।
- (ङ) क्षति के संबंध में, यह कहा गया है कि उनका उत्पादन स्तर बढ़ गया है। तथापि, विषयगत देशों के उत्पादकों द्वारा निरन्तर पाटन के कारण वादियों की स्वदेशी कीमतें कम रही हैं।

ग. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार :—

### 3. (1) निर्यातकों के विचार

- (क) जापानी निर्यातक, मैसर्स मित्सुई कैमिकल्स इन. ने कहा है कि भारत में, वे विदेशी आपूर्तिकर्ता के तौर पर स्वदेशी पीटीए बाजार को आपूर्ति करने में एक पूरक की भूमिका निभाते हैं जबकि मुख्य भूमिका तो स्वदेशी उत्पादकों द्वारा ही निभाई जाती है। उनकी पीटीए की आपूर्ति (क) पारस्परिक विश्वास वाले प्रमुख ग्राहकों को (ख) एक आवश्यक सीमित मात्रा सहित (ग) दीर्घावधि के लिए स्थिर (घ) अंतराष्ट्रीय बाजार मूल्य पर है। इसलिए उनका विश्वास है की उनकी गतिविधि से भारत के पीटीए बाजार में कभी भी कोई अव्यवस्था नहीं हुई है।
- (ख) निम्नलिखित की दृष्टि से स्वदेशी उत्पादक को कोई क्षति नहीं हुई है :—
- (i) वादियों के बाजार हिस्सेदारी के अपने आंकड़ों से यह देखा गया है कि आपान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान से पीटीए आयातों की मात्रा, स्वदेशी बाजार में सापेक्ष हिस्सेदारी में केवल थोड़ी बढ़ोतरी सहित स्थिर रही है। भारत में स्वदेशी उपयोग के बढ़ने के कारण, पीटीए के आयात से स्वदेशी उत्पादकों की बाजार हिस्सेदारी पर प्रभाव नहीं पड़ा है।
- (ii) यह कहा जाता है कि 1997-98 से 1998 (अप्रैल-दिसम्बर तक) वादियों का स्वदेशी प्रमुख प्रयोक्ताओं को पीटीए का औसत सूची मूल्य, 765 अमरीकी डालर से घटकर 584 अमरीकी डालर (अप्रैल-दिसम्बर 98) अर्थात् 23.6% हो गया। यह गिरावट एशियाई क्षेत्र में पीटीए के बाजार मूल्य में परिवर्तन के साथ गतिमान रही है जिसे पूर्ति और माँग के अंतर के कारण हुआ कहा गया है। एशियाई क्षेत्र में, ताइवान में चाइना अमेरिकन पेट्रोकेमिकल्स कं. लि. (कैपको) द्वारा घोषित पीटीए मूल्य को संदर्भ मूल्य समझा गया है। 1997-98 से 1998 (अप्रैल-दिसम्बर) तक, कैपको मूल्य 545 अमरीकी डालर की तुलना में 413 अमरीकी डालर अर्थात् 24.2% घट गया है। इस प्रकार निर्यातक का कथन यह है कि भारत में पीटीए मूल्य में गिरावट की दर, विश्व के अन्य क्षेत्रों के समान स्तर पर ही है और अन्तराष्ट्रीय बाजार मूल्यों की समग्र गिरावट के कारण ही पीटीए का मूल्य गिर रहा है।
- (iii) वादियों के अपने दावे के अनुसार क्षमता उपयोग स्तर अत्यधिक ऊँचा है। प्रयोग की ये दरें विश्व के अन्य पीटीए उत्पादकों की अपेक्षा अधिक ऊँची है और इसलिए इसके फलस्वरूप उनके क्षति के दावे का कोई आधार नहीं है।
- (iv) आगे, यह कहा गया है कि स्वदेशी उद्योग के उत्पादन और साथ-साथ बिक्री में भी तीव्र वृद्धि हुई है। इसलिए, इन कारणों से किसी क्षति का दावा नहीं किया जा सकता। स्टॉक में वृद्धि के लिए यह कहा गया है कि यह वृद्धि वादी द्वारा किए गए अत्यधिक उत्पादन के कारण है।
- (ग) पाटन मार्जिन के विषय में, जापान के मैसर्स मित्सुई-कैमिकल्स ने कहा है कि वादी द्वारा किया गया 43% मार्जिन का दावा उनके निर्माण लागत विश्लेषण के गलत आँकड़े पर आधारित है। अपने पीटीए के वास्तविक सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य हेतु उन्होंने आँकड़े प्रस्तुत किए हैं जिन्हें देखा जाना चाहिए।
- (घ) भारत में पीटीए की माँग तीव्रता से बढ़ रही है। पीटीए, अनेक प्रयोक्ता उद्योगों के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण मूल रसायन है जो तीव्रता से विकसित हो रहे देशों द्वारा सिंथेटिक कपड़ों, पेय बोतलों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के बाजारों को पैदा करने के उद्देश्य से प्रमुख उद्योग माने गए हैं, और यह स्वाभाविक है कि ये उद्योग कड़ी अन्तराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में हैं। इस उत्पाद हेतु पीटीए की वर्तमान स्वदेशी उत्पादन क्षमता के साथ-साथ विस्तृत माँग पर विचार करते हुए भाषी वर्षों हेतु हुए उत्पादन के लिए एक माँग-आपूर्ति अंतराल का पूर्वानुमान किया गया है।
- (ङ) यह कहा गया है कि पीटीए पर पाटन-रोधी शुल्क लगाना, पीटीए के कई प्रयोक्ता उद्योगों की कीमत पर केवल एक स्वदेशी पीटीए निर्माता को लाभ पहुंचाएगा। यह ऐसे प्रयोक्ता उद्योगों की प्रगति में बाधा पहुंचाएगा और भारत की सामान्य अर्थव्यवस्था पर अपूरणीय प्रतिकूल प्रभाव डालेगा, विशेषतः जब भारत में पीटीए पर आयात शुल्क की दर पहले ही ऊँची है।
- (च) स्वयं रिलायंस द्वारा पीटीए के निर्यात के बारे में, जापानी निर्यातक मैसर्स मित्सुबीशी कैमिकल कार्पोरेशन ने कहा है कि वादी ने वर्ष 1997-98 और चालू अवधि अर्थात् जाँच की अवधि हेतु इस संबंध में दिए गए अपने आँकड़ों के अनुसार स्वयं ही अपने निर्यात मूल्य में भारी कमी कर दी है। इस प्रकार उस अवधि में पीटीए के मूल्यों में गिरावट विश्व-व्यापी प्रवृत्ति थी और भारत में पीटीए के पाटन से संबंधित नहीं थी।

- (छ) स्वदेशी उद्योगों की कारखानागत खपत भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ी है। स्वदेशी उद्योग के उत्पादन का एक बड़ा भाग बाजार के लिए उपलब्ध नहीं है।
- (ज) वादी द्वारा दावा किए गए लाभ/हानि को उस आधार के साथ देखा जाना चाहिए जिस पर उत्पादन की लागत का दावा किया गया है, विशेषतः जबकि कम्पनी बहु-उत्पादी, बहु-अवस्थित और बहु-प्रखंडीय कम्पनी है।
- (झ) निर्यातकों द्वारा यह कहा गया है कि डीएमटी-उत्पादकों ने इस बार डीएमटी के माध्यम से याचिका दायर नहीं की है और पीटीए के पाटन की जाँच के एक पिछले मामले में नाम-निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा डीएमटी तथा पीटीए को समान वस्तु माना गया था। यह दर्शाता है कि डीएमटी निर्माता क्षतिग्रस्त महसूस नहीं करते, और इसलिए उन्होंने आयातों के विरुद्ध याचिका दायर नहीं की। वर्तमान याचिका स्पष्ट रूप से भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्द्धा को सीमित करने का प्रयास है।
- (ञ) आगे यह कहा गया है कि भारत में पीटीए कीमतें, भारत के लिए पीटीए के किसी भी निर्यातक द्वारा सुनिश्चित नहीं की जाती। वादी, भारतीय बाजार में पीटीए का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता होने के कारण भारत में पीटीए के मूल्य का बेंच अंकन करता है। जाँच की अवधि के दौरान जिस मूल्य पर रिलायंस भारत में पीटीए का विक्रय कर रही थी और वे मूल्य, जिन पर विभिन्न निर्यातक आपूर्ति कर रहे थे, की तुलना से यह सिद्ध होता है कि भारतीय बाजार में किसी निर्यातक द्वारा पीटीए के मूल्य की अंडरकटिंग नहीं हुई है।
- (ट) मलेशियाई निर्यातक ने कहा है कि जाँच की अवधि में आयात दर्शाने वाले कोई भी विश्वसनीय आँकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। ऐसे आँकड़े की अनुपस्थिति में यह नहीं कहा जा सकता कि भारत में मलेशिया से पीटीए की भारी मात्रा का आयात निम्नतर मूल्य पर हो रहा है। शिकायत से ही यह बात प्रकट होती है कि शिकायतकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई है। शिकायतकर्ता की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी है और उसने वास्तव में पूर्व अवधि की तुलना में जाँच की अवधि के दौरान अपनी स्थिति सुधारी है। फिर भी, शिकायतकर्ता को क्षति, यदि कोई हुई हो तो मलेशिया से आयात के कारण नहीं है।
- (ठ) और भी, मलेशिया में उत्पादन की जो लागत वादी द्वारा आकलित की गई है, वह गलत है। यह डेविट एंड कम्पनी द्वारा किए गए लागत-निर्धारण पर आधारित है जो अमरीका के एक संयंत्र से संबंधित है, और इसलिए मलेशिया पर लागू नहीं है। इसके अलावा, डेविट एंड कम्पनी द्वारा लागत निर्धारण वर्ष 1996 के लिए किया गया था। कच्चे माल की लागत में तब से महत्वपूर्ण रूप से गिरावट आई है। इसलिए, 1998 हेतु उत्पादन की लागत डेविट एंड कम्पनी द्वारा दर्शाई गई अपेक्षा बहुत कम होनी चाहिए।
- (ड) मलेशिया से किए गए आयातों के फलस्वरूप, मूल्य में गिरावट, मूल्य अंडरकटिंग, मूल्य दमन या मूल्य अवसादन के कोई साक्ष्य नहीं हैं। वादी का स्वदेशी मूल्य, शिकायत के अनुसार लगभग रु० 23,100/- है और मलेशियाई आयातों का लैंडेड मूल्य लगभग रु० 28,114/- है। अतः किसी मूल्य में कमी या मूल्य अंडरकटिंग का प्रश्न ही नहीं उठता।
- (ढ) स्पेन के निर्यातक, मैसर्स इंटरक्वीसा ने दावा किया है कि भारत को उनके पीटीए निर्यातों में इतने महत्वपूर्ण ढंग से गिरावट आई है कि वे जाँच की अवधि में न्यूनतम थे। इंटरक्वीसा द्वारा जाँच की अवधि के दौरान पीटीए के निर्यात रु० 4023.25 मी. टन के निर्यातों की तुलना में, पीसीआई जाइलेंस और पोलिस्टर लि० द्वारा प्रकाशित सूचना में दर्शाए गए के अनुसार भारत में पीटीए के कुल 226000 मी. टन के आयात हुए। इस प्रकार भारत में कुल आयातों की तुलना से इंटरक्वीसा से आयात 3% में कम है और इसलिए न्यूनतम है। अतः उनके विरुद्ध जाँच को तत्काल समाप्त किया जाए।
- स्पेन से न्यूनतम आयातों का तथ्य भी याचिका से स्पष्ट है जहाँ यह कहा गया है कि अप्रैल-सितम्बर 1998 की अवधि में कोई वास्तविक पोत-लदान नहीं हुआ था। वादी को अपेक्षा थी कि स्पेन से अक्टूबर 1998 में कुल 4500 मी. टन बकाया था। स्पेन के निर्यातक की राय में, माल के बकाया संभावित आगमन को लेकर आगे कार्रवाई करना उचित नहीं है।
- इसके अतिरिक्त यह कहा गया है कि स्पेन से आयात, भारत में पीटीए के कुल निर्यातों के संदर्भ में ही न्यूनतम नहीं है, बल्कि भारत में पीटीए की माँग के संदर्भ में भी न्यूनतम है। पाटन रोधी करार प्रावधान करता है कि यदि आयातों से स्वदेशी उद्योग को होने वाली क्षति गण्य हो तो जाँच तत्काल समाप्त कर दी जाए। जाँच की अवधि के दौरान, स्पेन से भारत को निर्यात, भारत में पीटीए की कुल माँग/उपभोग से एक प्रतिशत से कम था। अतः वादी को स्पेन से पीटीए के निर्यातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई। स्पेन के विरुद्ध जाँच को इस आधार पर भी तत्काल समाप्त कर दिया जाए।

## II

### आयातकों के विचार

- (क) स्वदेशी पोलिस्टर उद्योग लाभ की दृष्टि से कठिन दौर से गुजर रहा है और वादी को छोड़कर, अधिकतर पोलिस्टर उत्पादकों ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों में लगातार भारी हानि उठाई है। वादी उन देशों से आयात रोकने के प्रयास कर रहा है जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगी मूल्यों पर आपूर्ति करने की तर्कसंगत स्थिति में हैं और इस प्रकार वह आयातकों को मूल्य लाभ और वैकल्पिक स्रोत के लाभ से वंचित कर रहा है।

### (ख) उठाए गए मुद्दों की जाँच

3. निर्यातकों, आयातकों, वादी और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा की गई पूर्वोक्त प्रस्तुतियों की जाँच की गई है और जो नियमों से संगत हैं और वर्तमान मुद्दे पर प्रभाव डालती हैं, उन पर इन निष्कर्षों में उपयुक्त स्थानों पर कार्रवाई की गयी है।

### विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जाँच में शामिल उत्पाद, जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान मूल का या वहाँ से निर्यातित शुद्ध टेरिफथैलिक एसिड या पीटीए है, जैसा कि सामान्यतः इसी नाम से जाना जाता है। पीटीए, सफेद उन्मुक्त प्रवाही दानेदार पाउडर है जो किसी भी दिखने वाले संदूषण

से मुक्त है। पीटीए आई टी सी (एचएस) वर्गीकरण के उप शीर्ष संख्या 2917.36 के अंतर्गत वर्गीकृत है। यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जाँच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है। पीटीए सामान्यतया, पोलिस्टर स्टेपल फाइबर/फिलामेंट यार्न/पालीथिलीन टेरिफथेलेट (पीईटी) (टैक्सटाइल ग्रेड) और पोलिस्टर फिल्मों के निर्माण में प्रयुक्त होता है।

#### घ. समान वस्तुएँ

6. वादी ने दावा किया है कि पीटीए के निर्माण हेतु उनके द्वारा अपनायी गई उत्पादन प्रक्रिया, विश्व के अन्य पीटीए निर्माताओं के समान है। वे मै० आईसीआई (ड्यूपोन्ट) द्वारा लाइसेंस की गई तकनीक का प्रयोग करते हैं जो विश्व में पीटीए के अग्रणियों में से है। यह दावा किया जाता है कि वादी द्वारा निर्मित पीटीए के विनिर्देशन अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हैं। प्राधिकारी ने पाया है कि वादी का उत्पाद और विषयगत देशों से आयातित उत्पाद तकनीक विनिर्देशन, निर्माण प्रक्रिया और तकनीक, कार्य तथा प्रयोगों में तुलनीय है। प्राधिकारी ने यह भी पाया कि दोनों के एक समान अन्त्यः प्रयोग है तथा दोनों आयातकों और उपभोक्ताओं द्वारा अदल बदल कर प्रयोग किए जाते हैं। इसलिए प्राधिकारी यह मानता है कि भारत में स्वदेशी उद्योग द्वारा उत्पादित पीटीए विशिष्टताओं में विषयगत देशों से आयातित पीटीए से बिल्कुल मिलता-जुलता है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से स्थानापन्नीय हैं और इसलिए पाटन रोधी नियमावली के अर्थ के अन्तर्गत समान वस्तुओं के रूप में माने गए हैं।

#### छ. स्वदेशी उद्योग

7. याचिका मै० रिलायंस इंडस्ट्रीज लि० तीसरी मंजिल, मेकर चेम्बर- IV 222, नरीमन प्वाइंट, मुम्बई-400021 द्वारा दायर की गई है जो भारत में पीटीए के एकमात्र उत्पादक हैं। चूंकि वादी भारत में पीटीए का कुल स्वदेशी उत्पादन करता है इसलिए नियमावली के अन्तर्गत स्वदेशी उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का उनका आधार है।

#### ज. पाटन

8. धारा 9ए (1) (सी) के अधीन किसी वस्तु के सम्बन्ध में सामान्य मूल्य का अर्थ है: (1) उप धारा (6) के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार समान वस्तुओं हेतु व्यापार के सामान्य व्यवहार में यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग हेतु आशयित हो; या

(2) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में व्यापार के सामान्य व्यवहार में समान वस्तुओं की कोई बिक्री न हो या विशेष बाजार दशा के कारण या निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों की वजह से तुलना नहीं हो सकती है, तो सामान्य मूल्य या तो—

- (क) निर्यातक देश या क्षेत्र से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य या उचित तीसरे देश का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या
- (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित, प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ मूलता के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

बशर्ते कि मूलता के देश के अलावा किसी अन्य देश से वस्तुओं के आयात के मामले में और जहाँ वस्तुएँ निर्यात के देश से केवल गुजारी गई हों या इस प्रकार की वस्तुएँ निर्यातक के देश में उत्पादित नहीं होती हों या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य न हो तो सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

9. प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखित धारा के अनुसार सूचना मांगते हुए विषयगत देशों के निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं। निर्यातकों द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के संबंध में किए गए दावे निम्नलिखित हैं—

#### 1. निर्यातकों के दावे

#### 10. देश: जापान

##### निर्यातक मै० मित्सुबिशी केमिकल्स इन०

निर्यातक ने अपने स्वदेशी मूल्य और भारत को निर्यात मूल्य के संबंध में पीटीए से सम्बन्धित सूचना भेजी है। भारत को निर्यात मूल्य की लागत और भाड़ा आधार पर माँग की गई है तथा अन्तरदेशीय भाड़े और समुद्री भाड़े के लिए समायोजन की माँग की गई है। तदनुसार कैक्ट्री स्तर पर अमरीकी डालर XXX/मी. टन की दर से निर्यात कीमत की माँग की गई है। स्वदेशी बिक्रियों के संबंध में औसत कारखानागत स्वदेशी बिक्री मूल्य, अर्थात् सामान्य मूल्य, अन्तरदेशीय भाड़े और भण्डारण हेतु समायोजन की माँग के पश्चात् अमरीकी डॉलर XXX/मी. टन माँगा गया है। इस प्रकार माँगे गए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य की तुलना, अमरीकी डालर XXX/मी. टन का पाटन मार्जिन दर्शाती है जो निर्यात कीमत का 29.57 प्रतिशत है।

**देश: जापान****निर्यातक:- मित्सुबिशी केमिकल कार्पोरेशन**

निर्यातक ने स्वदेशी मूल्य सहित पीटीए के निर्यात मूल्य से सम्बन्धित सूचना प्रस्तुत की है। जाँच की अवधि के दौरान भारत में पीटीए का औसत निर्यात मूल्य लागत और भाड़ा आधार पर अमरीकी डालर XXX/मी. टन का माँगा गया है तथा कमीशन/छूट आन्तरिक भाड़ा और समुद्री पारीय भाड़ा के लिए समायोजन माँगे गए हैं। इस प्रकार फैक्टरी स्तर पर निर्यात मूल्य अम. डालर XXX/मी. टन का माँगा गया है। स्वदेशी बिक्रियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अवधि हेतु औसत स्वदेशी बिक्री मूल्य अम. डालर XXX/मी. टन का माँगा गया था तथा छूट/कमीशन, आन्तरिक भाड़ा और साइट छूट हेतु समायोजन माँगे गए हैं। इस प्रकार सामान्य मूल्य अमरीकी डालर XXX/मी. टन का माँगा गया है। निर्यातक द्वारा इस प्रकार माँगे गए सामान्य मूल्य व निर्यात मूल्य की तुलना अम. डालर XXX/मी. टन का पाटन मार्जिन दर्शाती है। जो निर्यात कीमत का 23.70 प्रतिशत है।

**देश : मलेशिया****निर्यातक:-अमोको केमिकल्स (मलेशिया)**

निर्यातक ने भारत को निर्यात बिक्रियों का भारत औसत फैक्ट्री मूल्य अमरीकी डालर XXX/मी. टन का माँगा है। समायोजनों और विभिन्न समायोजन शीर्षों के विवरण नहीं भेजे गए हैं। इसी प्रकार स्वदेशी बिक्रियों हेतु भारत औसत फैक्टरीगत स्वदेशी बिक्री मूल्य अमरीकी डालर XXX/मी. टन की माँग की गई है। तथापि समायोजन के विवरण नहीं भेजे गए हैं। इस प्रकार निर्यातक के दावे के अनुसार पाटन मार्जिन 6.88 प्र. निकाला गया है।

**देश: स्पेन**

**निर्यातक:-इंटरक्विसा-** निर्यातक ने माँग की है कि उनके विरुद्ध शुरू की गई जाँच तत्काल समाप्त की जाए क्योंकि स्पेन से निर्यात न केवल भारत में पीटीए के कुल आयातों संबंध में बल्कि भारत में पीटीए की माँग के संदर्भ में भी न्यूनतम है। उनके मत से स्पेन के विरुद्ध जाँच प्रारम्भ करने का कोई आधार नहीं था और न ही रिलायंस इंडस्ट्रीस द्वारा दायर की गई याचिका में पर्याप्त सूचना नहीं थी कि स्पेन से निर्यातित पीटी ए की मात्रा न्यूनतम से अधिक थी।

उपर्युक्त प्रस्तुतियों के होते हुए भी इंटरक्विसा द्वारा किया गया निर्यात पाटन रोधी समझौते के अधीन निर्धारित के अनुसार न्यूनतम सीमा में है, निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर दिये हैं। निर्यातक ने सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य दोनों पर सूचना भेजी है। भारत औसत निर्यात मूल्य की माँग लागत और भाड़ा आधार पर अमरीकी डालर XXX/मी. टन की गई है तथा छूट/कमीशन, अन्तरदेशीय भाड़े हैंडलिंग, कर समुद्री पारीय भाड़े और अन्य प्रभारों के लिए समायोजन माँगे गए हैं। इस प्रकार निर्यात मूल्य फैक्टरी स्तर पर अमरीकी डालर XXX/मी. टन निकलता है। स्वदेशी बिक्रियों हेतु जाँच की अवधि के लिए भारत औसत बिक्री मूल्य अमरीकी डालर XXX/मी. टन का माँगा गया है तथा आन्तरिक भाड़े आयात कर अतिरिक्त उत्पादन लागत और दीर्घावधि संविदा हेतु समायोजन माँगे गए हैं। इस प्रकार सामान्य मूल्य अमरीकी डालर XXX/मी. टन का माँगा गया है। निर्यातक द्वारा इस प्रकार का दावा किए गए सामान्य मूल्य व निर्यात मूल्य की तुलना निर्यात मूल्य के 1.90 प्र. पर पाटन मार्जिन दर्शाता है।

**देश : ताइवान****निर्यातक : टमटेक्स पेट्रोकेमिकल्स इण.**

निर्यातक ने दावा किया है कि उन्होंने जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 98 से 31 दिसम्बर 98 के दौरान भारत को कभी भी पीटीए का निर्यात नहीं किया। ताइपेई इकॉनामिक एण्ड कल्चर सेंटर ने भी कंपनी के रिकार्ड भेजे हैं जो 1998 के दौरान भारत को पीटीए का कोई भी निर्यात नहीं दर्शाते हैं। उन्होंने कंपनी के विरुद्ध जाँच समाप्त करने का अनुरोध किया है।

(अ) निर्यातकों के सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन सम्बन्धी दावों की प्राधिकारी द्वारा जाँच

11. पूर्व पैरे अर्थात् पैरे 10 में उल्लिखित विभिन्न निर्यातकों के दावों की जाँच निम्नलिखित रूप में की जाती है :—

**देश : जापान****निर्यातक : मित्सुई केमिकल्स इण.**

प्राधिकारी ने नोट किया कि निर्यातकों ने जापान में उनकी, बिक्रियों की भारत औसत स्वदेशी कीमत और आन्तरिक भाड़ा तथा भण्डारण के फलस्वरूप उन पर किये गए समायोजनों पर आधारित सामान्य मूल्य की माँग की है जिसके लिए प्राधिकारी फैक्टरी स्तर पर स्वदेशी बिक्री कीमत पर पहुँचने के लिए अनुमित देता है। इसलिए प्राधिकारी, सत्यापन के अधीन रहते हुए, आरम्भिक निश्चयन के प्रयोजन हेतु सामान्य मूल्य अम. डालर XXX/मी. टन का निर्धारित करता है।

जाँच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात के भारत औसत लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य के आधार पर निर्यातक द्वारा निर्यात मूल्य की माँग की गई है। निर्यातों की सम्बन्धित अवधि हेतु माहवार मात्रा तथा मूल्य दिए गए हैं। आन्तरिक भाड़े और समुद्रपरीय भाड़े के लिए समायोजित माँगे गए हैं। जिनकी प्राधिकारी द्वारा अनुमति दी गई है।

इस प्रकार प्राधिकारी कैक्ट्री निर्यात कीमत अमरीकी डालर XXX/मी. टन निर्धारित करता है जो सत्यापन के अधीन है।

इस प्रकार सुनिश्चित किये गये सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना पाटन मार्जिन अम. डालर XXX/मी. टन में परिगणित करती है जो निर्यात कीमत का 29.57 प्र. है।

**देश : जापान**

**निर्यातक : मै. मित्सुबिशी केमिकल कार्पोरेशन**

यहाँ प्राधिकारी ने पाया कि निर्यातक ने जाँच की अवधि के दौरान अपनी स्वदेशी बिक्रियों के भारत औसत बिक्री मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य की माँग की है तथा उस पर छूट/कमीशन, आन्तरिक भाड़े और साइट छूट के लिए समायोजन की माँग की है। प्राधिकारी ने पाया कि सामान्य मूल्य परिगणन में माँग किया गया आन्तरिक भाड़ा, निर्यात कीमत ढाँचे में माँग किये गए की तुलना में अधिक ऊँचा है। प्राधिकारी इस शीर्ष के अन्तर्गत राशि को निर्यात मूल्य ढाँचे के समतुल्य निर्धारित करता है तथा अन्य शीर्षों के अधीन दावा किये गए समायोजना की अनुमति देता है। इस प्रकार सामान्य मूल्य, सत्यापन के अधीन रहते हुए, आरंभिक निर्धारण के प्रयोजन हेतु अम. डालर XXX/मी. टन निर्धारित किया गया है।

निर्यात मूल्य के सम्बन्ध में प्राधिकारी ने पाया कि निर्यातक ने जाँच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात के भारत औसत लागत बीमा-भाड़ा मूल्य के आधार पर इसकी माँग की है। सम्बन्धित अवधि हेतु निर्यात का माह अनुसार मूल्य और मात्रा दे दी गई है। छूट/कमीशन, आन्तरिक भाड़े हैण्डलिंग और समुद्रपारीय भाड़े के लिए समायोजन मांगा गया है जिसकी प्राधिकारी द्वारा अनुमति दी गई है। इस प्रकार प्राधिकारी निर्यात कीमत कैक्ट्री स्तर पर अमरीकी डालर XXX/मी. टन का मूल्य निर्धारित करता है।

इस प्रकार पाटन मार्जिन अमरीकी डालर XXX/मी. टन का परिकलित किया गया है जो निर्यात कीमत का 29.90 प्रतिशत होता है।

**देश : मलेशिया**

**निर्यातक : अमोको केमिकल (मलेशिया)**

प्राधिकारी ने प्रश्नावली के निर्यातक के उत्तर की जाँच की और पाया कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर निर्यातक द्वारा भेजी गई सूचना अधूरी थी और सही प्रकार से पुष्ट नहीं थी। प्रश्नावली के महत्वपूर्ण परिशिष्ट निर्यातक द्वारा सही प्रकार से नहीं भरे गए थे जिससे प्राधिकारी सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य का आकलन करने की स्थिति में नहीं था। इन सूचनाओं की अनुपस्थिति में प्राधिकारी के पास सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के निर्धारण हेतु वादी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना और डीजीसीआईएस स्रोत के निर्यात मूल्य (लागत बीमा-भाड़ा) को सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना मानने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। इस प्रकार प्राधिकारी सामान्य मूल्य अमरीकी डालर 553/मी. टन और निर्यात का मूल्य अमरीकी डालर 459.08/मी. टन निर्धारित करता है।

इस प्रकार पाटन मार्जिन अमरीकी डालर 93.92/मी. टन का निर्धारित किया गया है जो निर्यात कीमत का 20.45 प्रतिशत होता है।

**देश : स्पेन**

**निर्यातक : मै. इन्टरक्विसा**

प्राधिकारी ने निर्यातक के दावे की जाँच की है कि जाँच की अवधि के दौरान भारत में पीटीए के कुल आयात के संदर्भ में उनका भारत को निर्यात न्यूनतम सीमा से कम है। तथापि प्राधिकारी ने पाया कि हालाँकि वादी ने स्पेन से भारत को पीटीए के संभावित आगमन पर आरंभ में सूचना उपलब्ध कराई, बाद में जुलाई-अगस्त 1998 के दौरान स्पेन से वास्तविक आयात के विवरण भेजे जो आईसीडी, नागपुर और जेएनपीटी पहुँचा था, जिनके आँकड़े कार्यालयी एजेन्सी डीजीसीआईएस द्वारा अपने अस्थायी आँकड़ों में नहीं लिये गए। दूसरी तरफ प्राधिकारी ने पाया कि निर्यातक ने स्वयंसेव अपने उत्तर में जाँच की अवधि के दौरान भारत को उनके द्वारा निर्यातित 4024 मी. टन की मात्रा के बारे में सूचना दी जिस पर प्राधिकारी ने विश्वास किया है। आगे पीसीआई जाइल और पोलिएस्टर लिमिटेड द्वारा प्रकाशित स्रोत से निर्यातक द्वारा उद्धृत जाँच की अवधि के दौरान भारत में 226000 मी. टन पीटीए की कुल मात्रा के आयात के सम्बन्ध में प्राधिकारी ने पाया कि उक्त आँकड़े केवल अनुमानित 'आँकड़े' हैं वास्तविक 'आँकड़े' नहीं हैं। भारत में पीटीए के कुल आयातों के वास्तविक आँकड़े प्राधिकारी द्वारा 87497 मी. टन पर निर्धारित किये गए हैं जो डीजीसीआई एण्ड एस डाटा तथा अन्य स्रोतों के 'आँकड़ों' पर आधारित हैं। इन्टरक्विसा द्वारा दावा किये गए जाँच की अवधि के दौरान भारत को निर्यातित पीटीए की मात्रा के साथ-साथ प्राधिकारी द्वारा सुनिश्चित, भारत में पीटीए की कुल आयातों के ऊपर उल्लिखित वास्तविक आँकड़ों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने पाया कि स्पेन से आयात भारत में कुल आयात का 4.60 प्रतिशत बनता है। इस प्रकार यह न्यूनतम स्तर से ऊपर है।

निर्यातक के उनके विरुद्ध जाँच समाप्त करने के दावे के सम्बन्ध, में चूँकि उनके द्वारा आयात से हुई क्षति नगण्य है, प्राधिकारी नोट करता है कि नियमों के अनुसार यह स्वदेशी उद्योग पर आयातों का संघर्षी प्रभाव है न कि किसी देश या निर्यातक से आयातों का प्रभाव है जो उन मामलों में क्षति निर्धारण में ध्यान में लिया जाना है जहाँ एक से अधिक देश से आयात साथ-साथ पाटन-रोषी जाँच के अधीन है।

प्राधिकारी इसलिए उस देश और निर्यातक के विरुद्ध जाँच का समर्थन करता है। प्राधिकारी नोट करता है कि निर्यातक ने जाँच की अवधि के दौरान स्पेन में सभी बिक्रियों की भारत औसत स्वदेशी बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य की माँग की है और आन्तरिक भाड़ा, आयात कर, अतिरिक्त उत्पादन लागत और दीर्घावधि संविदा के लिए समायोजनों की माँग की है। तथापि प्राधिकारी ने आन्तरिक भाड़े और दीर्घावधि संविदा पर दावा किये गए समायोजनों की अनुमति देते हुए आयात करों और अतिरिक्त उत्पादन लागत पर दावा किये गए समायोजनों पर विचार नहीं किया है।



क्योंकि ये फैक्टरी स्तर के पश्चात् किये गए खर्च नहीं लगते हैं। और भी निर्यातक द्वारा माँगे किये गए प्रभार पुष्ट/प्रमाणित नहीं हैं। इस प्रकार प्राधिकारी, सत्यापन के अधीन रहते हुए आरम्भिक निर्धारण के प्रयोजन हेतु सामान्य मूल्य अमरीकी डालर XXX/मी.टन पर निर्धारित करता है।

निर्यात मूल्य का दावा जाँच की अवधि के दौरान निर्यातों के भारत औसत लागत एवं भाड़ा मूल्य के आधार पर किया गया है और एस्ट/कमीशन आन्तरिक भाड़े हैंडलिंग कर समुद्रपारीय भाड़े और अन्य के लिए समायोजन माँगे गए हैं। जिसकी प्राधिकारी ने अनुमति दी है। इस प्रकार प्राधिकारी, सत्यापन के अधीन रहते हुए फैक्टरी स्तर पर अम. डालर XXX/मी.टन निर्यात कीमत निर्धारित करता है।

इस प्रकार पाटन मार्जिन अम. डालर XXX/मी.टन पर परिकल्पित किया गया है जो निर्यात मूल्य का 15 प्रतिशत है।

#### देश: ताइवान

#### निर्यातक: दुनटेक्स पेट्रोकेमिकल्स लि.

प्राधिकारी ने निर्यातक के दावे की जाँच की है कि उन्होंने जाँच की अवधि के दौरान भारत को पीटीए का कोई निर्यात नहीं किया तथा दावे को सही पाया है। प्राधिकारी ने पाया कि डीजीसीआईएण्डएस के कार्यालयी आंकड़े संबंधित अवधि के दौरान ताइवान से पीटीए के किसी निर्यात को नहीं दर्शाते हैं तथा वादी ने अपने आप ही अपनी खाद की प्रस्तुतियों में ताइवान को अपनी याचिका/शिकायत के एक क्षेत्र से हटा लिया। इसलिए प्राधिकारी ताइवान के विरुद्ध आरंभ की गई पाटन रोधी जाँच को समाप्त करता है।

#### असहयोगी निर्यातक

ताइवान को छोड़कर वादी द्वारा विषयगत देशों से नाम न दिये गए असहयोगी निर्यातकों और निर्यातकों/उत्पादकों के सम्बन्ध में प्राधिकारी प्रत्येक देश के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु निर्धारित किये गए उच्चतम पाटन मार्जिन पर पाटन मार्जिन निर्धारित करता है। इस प्रकार विषयगत देशों और निर्यातकों के सम्बन्ध में फैक्टरी गत निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में पाटन मार्जिन निम्न रूप में निर्धारित किया गया है:—

| देश        | निर्यातक                        | पाटन मार्जिन |
|------------|---------------------------------|--------------|
| 1. जापान   | 1. मित्सुई केमिकल्स इन          | 29.57 प्र.   |
|            | 2. मित्सुबिशी केमिकल कार्पोरेशन | 29.90 प्र.   |
|            | 3. सभी अन्य निर्यातक            | 29.90 प्र.   |
| 2. मलेशिया | 1. अमोको केमिकल (मलेशिया)       | 20.45 प्र.   |
|            | 2. सभी अन्य निर्यातक            | 20.45 प्र.   |
| 3. स्पेन   | 1. इन्टरक्विसा                  | 15 प्र.      |
|            | 2. सभी अन्य निर्यातक            | 15 प्र.      |

#### ख. क्षति

12. पूर्वोक्त नियम 11 अनुलग्नक III के अंतर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में धरेलु उद्योगों को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा, ऐसा करते समय “ सभी संबंधित तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, स्वदेशी बाजार में समान वस्तुओं के मूल्यों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के स्वदेशी उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव शामिल होगा। मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जाँच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा मूल्यों में पर्याप्त कटौती की गयी है या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में मूल्यों को अन्यथा कम करना या मूल्यों में होनी वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गए होते।

पूर्वोक्त नियम, 11 के अनुलग्नक II (iii) के अनुसार जब एक से अधिक देशों से उत्पाद के आयात पाटन रोधी जाँच के अधीन होते हैं तो नाम निर्दिष्ट अधिकारी ऐसे आयातों के संचयित प्रभाव का आकलन तभी करेगा जबकि यह निश्चित है कि प्रत्येक देश से निर्यातों के संबंध में पाटन का मार्जिन, निर्यात मूल्य के प्रतिशत के तौर पर व्यक्त किये जाने पर 2 प्रतिशत से अधिक है तथा प्रत्येक देश से किये गए आयात की मात्रा, भारत में समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत है या जहां अलग-अलग देशों के निर्यात 3 प्रतिशत से कम हैं, और संचयित आयात समान वस्तु के आयातों के 7 प्रतिशत से अधिक हैं और आयातों का प्रभाव, आयातित वस्तु एवं समान स्वदेशी वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाओं के प्रकाश में उचित है।

प्राधिकारी नोट करता है कि पाटन का मार्जिन तथा विषयगत देशों से आयातों की मात्रा, उपरोक्त निर्धारित सोमाओं से अधिक है। आयातों के प्रभाव का संचयित आंकलन उचित है क्योंकि विषयगत देशों के निर्यात मूल्य, भारतीय बाजार में स्वदेशी उद्योग द्वारा दिए गए मूल्यों के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

भारत में स्वदेशी उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जाँच करने के लिए प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियमावली के अनुलग्नक 11 (iv) के अनुसार ऐसे और संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डाल सकते हैं जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, लाभकारिता, शुद्ध बिक्री प्राप्ति और पाटन की संघनता और मार्जिन आदि।

**(क) औसत बिक्री प्राप्तिर्षो एवं लाभकारिता**

वर्ष 1995-96 के दौरान औसत बिक्री प्राप्तिर्षो रु...../मी.टन, 1996-97 में रु. .... /मी.टन और 1997-98 में रु. .... /मी.टन थी। ये 1996-97 में के रु. .... /मी.टन से बढ़कर 1997-98 में रु. .... मी.टन की रह गई। जाँच अवधि के दौरान, यह देखा गया है कि औसत बिक्री मूल्य और गिरकर रु. .... /मी.टन हो गया। यह देखा गया है कि वादी ने 1997-98 तथा जाँच अवधि के दौरान हानि उठाई है और प्रति मीट्रिक टन हानि 1997-98 के रु. .... /मी.टन से बढ़कर जाँच अवधि, अर्थात् अप्रैल-दिसम्बर 1998 में रु. .... /मी.टन हो गई।

**(ख) लाभकारिता**

निवल बिक्री प्राप्तिर्षो में गिरावट के फलस्वरूप वादी ने 1997-98 की अवधि और जाँच की अवधि के दौरान हानि उठाई। यह हानि प्रति मी.टन 1997-98 के रु. .... /मी.टन से जाँच की अवधि अर्थात् अप्रैल-दिसम्बर, 1998 के दौरान रु. .... /मी.टन बढ़ गई।

**(ट) क्षति पर निष्कर्ष**

क्षति मापकों पर उपरोक्त विचारों के प्रकाश में निम्नलिखित निष्कर्ष निकले हैं।

(क) पिछले वर्षों 1996-97 और 1997-98 की तुलना में जाँच की अवधि के दौरान विषयगत वस्तु की औसत निवल बिक्री प्राप्तिर्षो में गिरावट आई है।

(ख) निवल बिक्री प्राप्तिर्षो में गिरावट के फलस्वरूप लाभकारिता में गिरावट आई है वादी द्वारा उठाई गई हानियों में वृद्धि हुई है।

बिक्री प्राप्तिर्षो में गिरावट और विषयगत वस्तु के एकमात्र उत्पादक, वादी द्वारा उठाई गई परिणामी हानियाँ, ऐसे दो महत्वपूर्ण तथ्य हैं जो बताते हैं; कि स्वदेशी उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

**(ठ) कारणात्मक सम्बन्ध**

प्राधिकारी ने पाया कि हालांकि उत्पाद का बाढ़न हुआ है तथा वादी द्वारा क्षति वहन की गई है, तथापि इन दोनों के मध्य कोई कारणात्मक सम्बन्ध नहीं है। इस सम्बन्ध में प्राधिकारी ने पाया कि ज्ञात निर्यातकों से प्रत्येक विषयगत देशों के आयातों का लेंडेड मूल्य प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित वादी हेतु उपयुक्त और अक्षति कारक बिक्री मूल्य के संदर्भ में उच्चतर है। वादी का उच्चतर लेंडेड मूल्य की तुलना में अक्षतिमूलक बिक्री मूल्य प्रत्येक ज्ञात निर्यातकों हेतु एक नकारात्मक क्षति मार्जिन देते हैं। इस प्रकार पारिष्ट आयातों और वादी द्वारा उठायी गई आर्थिक क्षति के मध्य कारणात्मक सम्बन्ध स्थापित नहीं है विशेष रूप से जबकि क्षति केवल निवल बिक्री प्राप्तिर्षो और लाभकारिता से सम्बन्धित मापकों पर ही निर्धारित है।

**(ड) लेंडेड मूल्य**

वर्तमान सीमा शुल्क एवं एक प्रतिशत लैडिंग तथा दो प्रतिशत हैण्डलिंग प्रभार को जोड़ने के पश्चात् पीटीए के आयात के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के आधार पर आयातों का लेंडेड मूल्य निश्चित किया गया है।

**(ढ) निष्कर्ष**

1. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह देखा गया है कि:—

(क) जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 1998 से 31 दिसम्बर, 1998 के दौरान ताइवान से पीटीए का कोई आयात नहीं हुआ।

(ख) पैरा 5 के अंतर्गत उल्लिखित और जापान, मलेशिया व स्पेन मूल के या वहां से निर्यातित पीटीए का सामान्य मूल्य से नीचे निर्यात किया गया है जिसके फलस्वरूप पाटन हुआ है।

(ग) भारतीय उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

(घ) उत्पाद के पाटन और क्षति के मध्य कारणात्मक सम्बन्ध अन्तिम रूप से स्थापित नहीं हुआ है।

17. इसलिए विषयगत देश के मूल के या वहां से निर्यातित पीटीए के आयातों पर अन्तिम निर्धारण के अधीन रहते हुए कोई पाटन रोधी शुल्क अस्थायी रूप से लगाना आवश्यक नहीं समझा गया है।

**(ण) भावी पद्धति**

प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के पश्चात् निम्नलिखित पद्धति अपनाई जाएगी:

(क) प्राधिकारी इन निष्कर्षों पर सभी हितबद्ध पार्टियों से टिप्पणियाँ माँगेगा और अन्तिम निष्कर्षों में उन पर विचार किया जाएगा;

(ख) निर्यातकों, आयातकों, वादियों तथा अन्य ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है, जो इस अधिसूचना के प्रेषण के चालीस दिनों के भीतर अपने विचार बता सकते हैं। अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी, इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार दे सकती है।

(ग) अन्तिम निष्कर्षों को घोषित करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को उद्घाटित करेगा।

रति विनय झा, नाम-निर्दिष्ट प्राधिकारी

---

**MINISTRY OF COMMERCE**

---

**NOTIFICATION**

New Delhi, 22nd October, 1999

**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Pure Terephthalic Acid(PTA) from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan-Preliminary Findings.**

**PRELIMINARY FINDINGS**

**No 27/1/98-DGAD:—** Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after also referred to as Rules), thereof;

**A. PROCEDURE**

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

i. The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Reliance Industries Ltd.. on behalf of the domestic industry, alleging dumping of PTA (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan.

ii. Preliminary scrutiny of the application filed by petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the

petitioner. The petition was therefore considered as properly documented;

iii The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of PTA from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan. The Authority notified to the Embassy of Japan, Malaysia, Spain and Taiwan about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;

iv. The Authority issued a public notice dated 22<sup>nd</sup> April, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of PTA classified under custom sub-heading No. 2917.36 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan. (hereinafter also referred to as the subject countries).

v. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioner) of the subject goods and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2);

vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of PTA in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter;

vii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of PTA made in India during the past three years, including the period of investigation.

viii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;

ix. The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the Rule 6(4);

(a) **Japan**

- Mitsubishi Chemical Corporation
- Mitsui Chemicals Inc.

(b) **Malaysia**

- Amoco Chemical Asia Pacific Limited

(c) **Spain**

- Interquisa

(d) **Taiwan**

- Tuntex Petrochemical Inc.

A number of parties requested for extension of time, which was allowed by the Authority. The responses received after the extended time have not been considered for determining the preliminary findings.

The following exporters responded:

(a) **Japan**

- Mitsubishi Chemical Corporation
- Mitsui Chemicals Inc.

**(b) Malaysia**

- Amoco Chemical (Malaysia)

**(c) Spain**

- Interquisa

**(d) Taiwan**

- Tuntex Petrochemical Inc.

x. The Embassy of the subject countries in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy of the subject countries, alongwith a list of known exporters/producers.

xi. A questionnaire was sent to the following known importers of PTA calling for necessary information in accordance with rule 6(4);

- M/s Indo Rama Synthetics Ltd.
- M/s PEARL Engg. Polymers Ltd.
- M/s Garware Polyesters Ltd.
- M/s Orrisa Synthetics Ltd.
- M/s Parasrampuriah Synthetics
- M/s JCT Ltd.
- M/s Indian Organic Chemicals Ltd.
- M/s India Poly Fibres Ltd.
- M/s FUTURA Polymers
- M/s DCL Ltd.
- M/s J.K. Synthetics Ltd.

---

---

M/s Raymond Synthetics Ltd.

Response to the questionnaire was filed by the following importers :-

- M/s Indo Rama Synthetics Ltd.
  - M/s PEARL Engg. Polymers Ltd.
  - M/s DCL Ltd.
  - M/s Raymond Synthetics Ltd.
  - Century Enka Limited
- xii. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also furnished;
- xiii. The Authority conducted on-the-spot investigation at the premises of the petitioner to the extent considered necessary;
- xiv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- xv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner.

- xvi. \*\*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xvii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 1998 to 31<sup>st</sup> December, 1998.

## **B. PETITIONER' VIEWS**

2. The petitioner have raised the following major points in their petition and their subsequent submissions.
- (a) Producers from the subject countries have been consistently dumping PTA into India and the prices at which they have dumped PTA into India have been below the normal value. The cif prices have also been coming down month after month.
- (b) The Indian demand/supply position for the period of investigation shows that India has adequate PTA capacity and does not need PTA to be imported.
- (c) Many importers import PTA against Advance License and argue that such imports should not attract anti-dumping duty. The petitioner have set up PTA capacities even to meet the demands of polyester exporters and thus any dumped imports of PTA even under Advance License adversely affect the domestic producers. The request is to apply the Anti-Dumping Duty to imports, whether duty paid or otherwise, if they are falling within the definition of dumping .
- (d) The petitioner are not in a position to get authentic information on the domestic ex-factory realisation in the subject countries. Therefore, the



Normal Value has been constructed based on the cost data made available through internationally reputed consultancy firms like Dewit and Co. and CMAI.

- (e) As regards injury, it is stated that their production levels have gone up. However, the petitioner's domestic prices have remained suppressed continuously due to continued dumping by the producers from the subject countries.

**C. Views of Exporters, Importers and other interested parties:**

**3. I. Exporters' views:**

- (a) The Japanese exporter, M/s Mitsui Chemicals Inc., have stated that in India, they, as a foreign supplier, play a supplemental role in supplying to the domestic PTA market while the major role is played by the domestic manufacturers. Their supply of PTA is (i) to key customers having mutual trust with them, (ii) with a necessary limited quantity, (c) stable for a long term (d) at international market price. Therefore, they believe that their activity has never caused any disorder in the PTA market of India..
- (b) No injury has been caused to the domestic producer in view of the following :-
- (i) Using the petitioner's own data of market share, it is seen that the volume of PTA imports from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan has been stable with only a slight increase in the relative share in the domestic market. Due to the expansion of domestic consumption in India, the imports of PTA has not affected the domestic producers' share of the market.
- (ii) It is stated that from 1997-98 to 1998(April-Dec.), the petitioner's average list price of PTA to domestic major users decreased from

US\$ 765 to US\$ 584(April-Dec.,98), i.e. 23.6%. This decline has kept pace with the change in market price of PTA in the Asia region which is stated to have taken place due to the gap of the supply and demand. In the Asia region, PTA price announced by China American Petrochemical Co. Ltd. (CAPCO) in Taiwan is considered as a reference price. From 1997-98 to 1998(April-December), the CAPCO price has decreased from US\$ 545 to US\$ 413, i.e. 24.2%. Thus, the exporter's submission is that rate of decline in PTA price in India is at the same level as other areas of the World and the PTA price is dropping due to overall decline of international market prices.

- (iii) As per the petitioner's own claim, capacity utilisation level is extremely high. These rates of utilisation are much higher than other PTA producers of the World and, therefore, their claim of injury on this count does not have any ground.
  - (iv) Further it is stated that there is a steep increase in the production as well as in the sales of the domestic industry. Therefore, No injury can be claimed on these counts. As to the increase in stocks, it is stated that this increase is because of excessive production by the petitioner.
- (c) As regards margin of dumping, M/s Mitsui Chemicals of Japan have stated that 43% margin claimed by the petitioner is based on the inaccurate data of their manufacturing cost analysis. For the actual Normal Value and Export price of their PTA, they have submitted the figures which should be referred to.
- (d) Demand of PTA in India is rapidly increasing. PTA is one of the most important basic chemicals for host of user industries which are considered as key-industries by the rapidly growing countries for the purpose of generation of markets of synthetic cloths, drink bottles and other consumer

goods, and naturally these industries are in a Severe international competition. A demand-supply gap for this product is projected for the future years considering the present domestic production capacity of PTA vis-à-vis the expanding demand.

- (e) Imposition of Anti-Dumping duty on PTA, it is sated, would benefit only one domestic PTA producer at the expense of many user industries of PTA. This would hamper the growth of such user industries and would have irreparable adverse effect on general economy of India, especially when the import duty rate on PTA in India is already on a higher side.
- (f) As regards exports of PTA by Reliance itself, the Japanese exporter M/s Mitsubishi Chemical Corporation have stated that the petitioner themselves have also reduced their export price significantly as per their own figures furnished in this regard for the year 1997-98 and the current period , i.e. the period of investigation. Thus, the fall in the prices of PTA in that period was a global phenomenon and was not related to dumping of PTA in Indian market.
- (g) The captive consumption of domestic industries has also increased significantly. A major part of the production of the domestic industry is not available for the market.
- (h) The profit/loss claimed by the petitioner has to be seen along with the basis on which cost of production has been claimed, especially when the company is a multi-product multi-location and multi-division company.
- (i) It is stated by the exporters' that DMT producers have not filed petition this time through DMT and PTA were held as like articles by the Designated Authority in the previous case of investigation into dumping of PTA. This indicate that DMT producers do not feel injured and, therefore, have not petitioned against the imports. The present petition is clearly an attempt to restrict competition in the Indian market.

- (j) Further it is stated that the PTA prices in India are not set by any of the exporters of PTA to India. The petitioner being the largest supplier of PTA in the Indian market, bench marks the prices of PTA in India. A comparison of prices at which Reliance was selling PTA in India during the POI and the prices at which various exporters were supplying will make it evident that there is no price under cutting of PTA in the Indian market by any exporter.
- (k) The Malaysian exporter have stated that no reliable data showing imports has been produced in the complaint for the investigation period. In the absence of such data, it can't be said that imports of substantial quantity of PTA are coming from Malaysia into India at a lowered price. The complaint itself reflects that the complainant has not suffered any injury. The complainant is financially very sound and has infact improved its position during the POI compared to the earlier period. In any event, the injury, if any, to the complainant is not on account of imports from Malaysia.
- (l) Further, the cost of production in Malayasia as constructed by the petitioner is incorrect. It is based upon the costing done by the Dewitt and Co. which relates to a plant in USA and, therefore, is not applicable to Malaysia. Further, the costing was done by Dewitt and Co. for the year 1996. The raw material cost has substantially declined since then. Therefore, the cost of production for 1998 should have been much lower than that indicated by Dewitt and Co.
- (m) There is total lack of evidence of price erosion, price under-cutting price suppression or price depression caused by imports from Malaysia. The domestic price of the complainant is around Rs. 23,100/- as per the complaint and the landed value of the Malaysian imports is around Rs.

28,114/-. Hence the question of any price erosion or under-cutting does not arise.

- (n) The exporter from Spain, M/s Interquisa, have claimed that their exports of PTA to India have declined so significantly that the same were de-minimus in the investigation period. The exports of PTA by Interquisa during the POI are claimed at 4023.25 M.T. vis-à-vis the total imports of PTA into India of 226000 M.T. as per information published by PCI-Xylenes and Polyesters Ltd. Thus, the imports from Interquisa are less than 3% of total imports of PTA into India and, therefore, are de-minimus. Hence, the investigation against them should be terminated forth with.

The fact of de-minimus imports from Spain is also evident from the petition itself where it is stated that there were no actual shipments in the period April-Sept.,1998. The petitioner merely expected that some 4500 MT was due from Spain in October,1998. In the opinion of the Spanish exporter, it is not appropriate to proceed with the expected arrivals.

Further it is stated that imports from Spain are deminimus not only with reference to the total imports of PTA into India, but also with reference to the demand of PTA in India. The Agreement on Anti-Dumping provides that the investigation should be terminated forthwith if the injury to the domestic industry from imports is negligible. Exports from Spain to India during the POI were less than one percent of the total demand/consumption of PTA in India. No injury, therefore, has been caused to the petitioner on account of exports of PTA from Spain. The investigations against Spain should be terminated forthwith on this account also.

## **II. Views of the Importers:**

- (a) The domestic polyester industry is passing through a difficult phase in terms of profits and most of the polyester producers have booked huge losses in the last three consecutive financial years except the petitioner. The petitioner is trying to prevent imports from countries which have logistic advantage in supplying the material at internationally competitive prices thereby depriving the importers the price advantage and alternative source.

**(D) Examination of the issues raised**

4. The foregoing submissions made by the exporters, the importers, the petitioner and other interested parties have been examined and those having relevance to the Rules and a bearing on the instant case have been dealt with at appropriate places in these findings.

**(E) Product under consideration**

5. The product involved in the present investigation is Pure Terephthalic Acid or PTA, as is more commonly known, originating in or exported from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan. PTA is a white free flowing crystalline powder free from any visual contamination. PTA is classified under Sub heading No. 2917.36 of ITC (HS) classification. The classification is only indicative and in no way binding on the scope of present investigation. PTA is normally used in the manufacture of polyester staple fibre/filament yarn/polyethylene terephthalate (PET) (Textile Grade) and polyester films.

**(F) Like articles :**

6. The petitioner have claimed that the production process as employed by them to manufacture PTA is similar to other PTA manufacturers in the World. They utilize the technology licensed by M/s ICI(Dupont), who are among the World leaders in PTA globally PTA produced by

the petitioner is claimed to have specifications which are internationally recognised. The Authority finds that the petitioner's product and that imported from the subject countries are comparable in technical specifications, manufacturing process and technology, functions and uses. The Authority also finds that both have similar end uses and both are used by the importers and consumers interchangeably. Thus, the Authority observes that PTA produced by the domestic industry in India has characteristics closely resembling the same of PTA imported from the subject countries. Both are technically and commercially substitutable and, therefore, are treated as Like Articles under the meaning of the Anti-Dumping Rules.

**(G) Domestic Industry**

7. The petition has been filed by M/s Reliance Industries Ltd. 3<sup>rd</sup> Floor, Maker Chamber-IV, 222, Nariman Point, Mumbai-400021 who are the only producer of PTA in India. Since the petitioner accounts for the total domestic production of PTA in India, they have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the Rules.

**H. Dumping**

8. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6) ; or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume

of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either.

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

9. The Authority had sent questionnaires to the exporters from the subject countries eliciting informations in terms of the section cited above. The claim made by the exporters with regard to normal value and export price are as under:

**I. Claims of the exporters**

10. Country : Japan :

Exporter - M/s Mitsui Chemicals Inc.

The exporter have furnished information in respect of PTA in relation to their domestic price and export price to India. Export price to



India is claimed on C and F basis and adjustments are claimed on account of inland freight and overseas freight. Accordingly, export price at ex-works level is claimed at US\$ xxx/M.T. In respect of domestic sales, average, ex-works domestic selling price i.e. the Normal Value, is claimed as US\$ xxx/M.T. after adjustments claimed on inland freight and storage. The comparison of Normal value and Export price so claimed shows the dumping margin as US\$ xxx/M.T which is 29.57% of the export price.

**Country : Japan**

**Exporter : Mitsubishi Chemical Corporation:**

The exporter have submitted information regarding the domestic as well export price of PTA. Average export price of PTA to India during the period of investigation is claimed on C and F basis as US\$ xxx/M.T. and adjustments are claimed on account of discounts/commission, inland freight, and overseas freight. Thus export price at ex-factory level is claimed at US\$ xxx/M.T. In respect of domestic sales, average domestic selling price for the relevant period is claimed as US\$ xxx/M.T. and adjustments claimed on discounts/commission, inland freight and sight discount. Thus, Normal Value is claimed as US\$ xxx/M.T. The comparison of the Normal Value and Export price so claimed by the exporter shows the dumping margin at US\$ xxx/M.T. which is 23.70% of export price.

**Country : Malaysia**

**Exporter : Amoco Chemical (Malaysia)**

The exporter have claimed weighted average ex-plant price of export sales to India as US\$ xxx/M.T. The details of adjustments and various heads of adjustments are not furnished. Similarly, for domestic sales, weighted average ex-factory domestic selling price is claimed as US\$ xxx/M.T. However, the

details of adjustments are not furnished. Thus, as per the exporter's claim, the dumping margin is worked out at 6.88%.

**Country : Spain**

**Exporter : Interquisa**

The exporter have claimed that the investigation initiated against them is required to be terminated forthwith as exports from Spain are de minimus not only with reference to total imports of PTA into India but also with reference to the demand of PTA in India. In their opinion, there was no basis for initiation of investigation against Spain nor the petition filed by Reliance Industries contained sufficient information that the volume of PTA exported from Spain was more than de-minimus.

Notwithstanding the above submission that the exports made by Interquisa are within the de-minimus limits as prescribed under the Agreement on Anti-Dumping, the exporter have filed their response to the questionnaire. The exporter have furnished information on both Normal Value and export price. The weighted average export price is claimed on C and F basis at US\$ xxx/M.T. and adjustments claimed on account of discounts/commissions, inland freight, handling, taxes, overseas freight and other charges. Thus, the export price at ex-factory level works out to US\$ xxx/M.T. For domestic sales, the weighted average selling price for the POI is claimed as US\$ xxx/M.T and adjustments are claimed on inland freight, import taxes, additional production cost and long term contract. Thus, the Normal Value is claimed as US\$ xxx/M.T. The comparison of Normal Value and export price so claimed by the exporter shows the dumping margin at 1.90% of the export price.

**Country : Taiwan:****Exporter : Tuntex Petrochemicals Inc.**

The exporter have claimed that they have never exported PTA to India during the period of investigation, i.e. 1st April' 98 to 31<sup>st</sup> December, 1998. Taipei Economic and Cultural Centre have also forwarded the company's records which show no export of PTA to India during 1998. They have requested to terminate the investigation against the company.

10. **Examination of the claims of the Exporters on Normal value, Export price and dumping margin by the Authority:**

11. The claims of various exporters as stated in the foregoing paragraph, i.e. paragraph 10, are examined as under :

**Country : Japan:****Exporter : Mitsui Chemical Inc.**

The Authority notes that the exporter have claimed Normal Value on the basis of weighted average domestic price of their sales in Japan and the adjustments made thereon on account of inland freight and storage which the Authority allows to reach the domestic selling price at ex-works level. Therefore, the Authority determines the Normal Value at US\$ xxx/M.T. for the purpose of Preliminary determination which is subject to verification.

Export price is claimed by the exporter on the basis of weighted average cif value of exports to India during the Period of Investigation. Month wise quantity and value of exports have been furnished for the relevant period. Adjustments have been claimed on account of inland freight and overseas freight which are allowed by the Authority. The

Authority, thus, determines the ex-works export price at US\$xxxx/M.T. which is subject to verification.

The comparison of the Normal Value and export price so determined calculates the dumping margin as US\$ xxx/ M.T. which is 29.57% of the export price.

**Country : Japan**

**Exporter : M/s Mitsubishi Chemical Corporation;**

Here, the Authority finds that the exporter have claimed Normal value on the basis of weighted average selling price of their domestic sales during the period of investigation and adjustments thereon claimed on account of discounts/commission, inland freight and sight discount. The Authority finds the inland freight claimed in Normal value calculation to be on a much higher side as compared to the same claimed in export price structure. The Authority determines the amount under this head at par with the same in export price structure and allows adjustments claimed under other heads. Thus the Normal Value is determined at US\$xxx/M.T. for the purpose of Preliminary determination which is subject to verification.

As regards export price, the Authority finds that the exporter have claimed the same on the basis of weighted average cif value of exports to India during the POI. Month wise Value and quantity of exports have been furnished for the relevant period. Adjustments are claimed on account of discounts/commission, inland freight, handling and overseas freight, which are allowed by the Authority. The Authority, thus, determines the export price at US\$ xxx/M.T. at ex-factory level.

The dumping margin is thus calculated at US\$ xxx/M.T. which works out to 29.90% of the export price.

**Country : Malaysia:**

**Exporter : Amoco Chemical (Malaysia)**

The Authority examined the exporter's response to the questionnaire and found that the informations on the Normal Value and Export price submitted by the exporter are incomplete and not properly corroborated. The vital appendices of the questionnaire have not been filled in by the exporter, whereby the Authority is not in a position to arrive at the Normal value and Export price. In the absence of these informations, the Authority has no other alternative but to consider the information provided by the petitioner and the export price (cif) from the DGCIS source as the best available information for determination of Normal Value and export price. Thus, the Authority determines the Normal value as US\$ 553/ MT and Export price as US\$ 459.08/M.T.

Thus, the dumping margin is determined at US\$ 93.92/M.T. which works out to 20.45% of the Export price.

**Country : Spain**

**Exporter : M/s Interquisa:**

The Authority has examined the claim of the exporter that their exports to India are below de minimus with reference to total imports of PTA into India during the period of investigation. However, the Authority finds that even though the petitioner initially provided information on expected arrivals of PTA from Spain into India, furnished later the details of actual import from Spain during July-August, 1998 arriving at ICD, Nagpur and JNPT, the data of which are not captured by the official agency, i.e. DGCIS, in their provisional figures. The Authority, on the other hand, finds that the exporter themselves, in their response, have informed about the volume of 4024 M.T. of PTA exported by them to

India during the period of investigation, which the Authority relies upon. Further, with regard to the total volume of imports of PTA into India of 226000 M.Ts. during the POI quoted by the exporter from the source published by PCI-xylenes and Polyesters Ltd., the Authority finds that the said figure is only in the nature of forecast data and not actual data. The actual figure of total imports of PTA into India is determined by the Authority at 87,497 M.T. on the basis of DGCI &S data and the data from other sources. Considering the volume of PTA exported by Interquisa to India during the POI as claimed by them vis-à-vis the aforesaid actual figure of total import of PTA into India as determined by the Authority, the Authority finds that the imports from Spain constitute 4.60% of total imports into India and, thus, the same are above the de-minimis level.

As regards the exporter's claim to terminate the investigation against them as the injury caused by the imports from them is negligible, the Authority notes that as per the Rules it is the cumulative impact of imports on the domestic industry, and not the impact of imports from an individual country or exporter, which is to be taken into account in injury determination in cases where imports from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation.

The Authority, therefore, upholds the investigation against the country and the exporter. The Authority notes that the exporter have claimed Normal value on the basis of weighted average domestic selling price of all sales in Spain during the period of investigation and the adjustments claimed on account of inland freight, import taxes, additional production cost and long term contract. The Authority, while allowing the adjustments claimed on inland freight and long term contract, however, does not take into consideration the adjustments claimed on import taxes and additional production cost as these do not seem to be expenses incurred after the ex-factory stage. Further, these charges claimed by the exporter are not corroborated/evidenced. Thus, the Authority determines

the Normal value at US\$ xxx/M.T. for the purpose of Preliminary determination subject to verification.

Export price is claimed on the basis of weighted average C & F value of exports to India during the POI and the adjustments claimed on account of discounts/commission, inland freight, handling, taxes, overseas freight and others which the Authority allows. Thus the Authority determines the export price at US\$ xxx/M.T. at ex-factory level, subject to verification.

The dumping margin is, thus, calculated at US\$ xxx/M.T. which is 15% of the export price.

**Country : Taiwan**

**Exporter : Tuntex Petrochemicals Ltd.**

The Authority has verified the exporter's claim that they have not exported PTA to India during the period of investigation and has found the claim to be correct. The Authority finds that the official data of DGCI & S do not reflect any export of PTA from Taiwan during the relevant period and the petitioner themselves have withdrawn the country of Taiwan from the scope of their petition/complaint in their subsequent submissions. The Authority, therefore, terminates the anti-dumping investigation initiated against Taiwan.

**Non Cooperative Exporters:**

In respect of non-cooperative exporters and the exporter/producers not named by the petitioner from the subject countries excluding Taiwan, the Authority determines the dumping margin at the highest dumping margin determined for the cooperative exporter/producers from each country. Thus, the dumping margin as % of ex-factory export price in respect of subject countries and exporters are determined as under :-

| Country     | Exporter                      | Dumping Margin |
|-------------|-------------------------------|----------------|
| 1. Japan    | 1. Mitsui Chemicals Inc.      | 29.57%         |
|             | 2. Mitsubishi Chemical Corpn. | 29.90%         |
|             | 3. All other Exporters        | 29.90%         |
| 2. Malaysia | 1. Amoco Chemical (Malaysia)  | 20.45%         |
|             | 2. All other Exporters        | 20.45 %        |
| 3. Spain    | 1. Interquisa                 | 15 %           |
|             | 2. All other exporters        | 15%            |

### K. INJURY

12. Under Rule 11 supra, Annexure-II of the Rules, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such article..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure II(iii) under Rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the



export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject countries are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject countries were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as net sales realisation, profitability and magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

**(a) Average sales realisation and profitability:**

The average sales realisation was Rs...../M.T. during 1995-96, Rs...../M.T. during 1996-97, Rs...../M.T. during 1997-98. It declined in the year 1997-98 to Rs...../M.T. from Rs...../M.T. during 1996-97. During the POI, it is observed that the average sales realisation declined further to Rs...../M.T. It is observed that the petitioner has incurred loss during both 1997-98 and the POI and the loss per M.T. has increased from Rs...../M.T. during 1997-98 to Rs...../M.T. during the POI, i.e. April-December, 1998.

**(b) Profitability:**

Consequent upon the decline in net sales realisation, the petitioner have suffered loss during both 1997-98 period and the period of investigation. The loss

per M.T. has increased from Rs...../M.T. during 1997-98 to Rs...../M.T.during the period of investigation, i.e. April-Dec.,1998.

**L. Conclusion on Injury:**

13 In the light of the above observations on injury parameters, the following conclusions are arrived at :

- (a) There has been a decline in average net sales realisation in respect of the subject goods during the period of investigation as compared to the previous years of 1996-97 and 1997-98
- (b) The decline in net sales realisation has resulted in decline of profitability and increase of losses incurred by the petitioner.

These two vital factors, namely, decline in sales realisation and consequent losses incurred by the petitioner, who are the domestic industry being the only producer of the subject goods, suggest that the domestic industry has suffered material injury.

**M. Causal link**

14. The Authority finds that though there is dumping of the product and there is injury suffered by the petitioner, there is no causal link between the two. In this connection, the Authority finds that the landed value of imports from each of the subject countries from the known exporters is higher with reference to the reasonable and non-injurious selling price for the petitioner as determined by the Authority. The higher landed value vis-à-vis the non injurious selling price of the petitioner gives a negative injury margin for each of the known exporters. Thus, the causal link between the dumped imports and the material injury suffered

by the petitioner is not established, especially when injury is determined only on the parameters relating to net sales realisation and profitability.

**N. LANDED VALUE:**

15. The landed value of imports is determined on the basis of the cif value of import of PTA, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

**O Conclusions**

16. After considering the foregoing, it is seen that :
- (a) there has been no import of PTA from Taiwan during the period of investigation, i.e. 1st April, 1998 to 31<sup>st</sup> Dec., 1998.
  - (b) PTA described under para 5 and originating in or exported from Japan, Malaysia and Spain has been exported below normal value, resulting in dumping.
  - (c) The Indian Industry has suffered material injury.
  - (d) The causal link between the dumping of the product and injury has not been conclusively established.
17. It is, therefore, not considered necessary to impose anti-dumping duty provisionally, pending final determination, on the imports of PTA originating in or exported from the subject countries.

**P. FURTHER PROCEDURE:**

18. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:
- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

- (b) Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- (c) The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority